a2zpapers.com

Exam. Code : 216304
Subject Code : 6464

M.A. (Hindi) 4th Semester
GURU TEGBAHADUR JI KI BANI KA VISHESH ADHYAN
Paper—XX, Opt. (i)

Time Allowed—Three Hours] [Maximum Marks—80

नोट :— यह प्रश्न-पत्र दो भागों में विभाजित है। निर्देशानुसार उत्तर दें।

भाग—I

यह भाग दो उपभागों में विभक्त है।

उपभाग—क

निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं चार की सप्रसंग व्याख्या कीजिये :— 4×6=24

1. साधो रचना राम बनाई।।
इकि बिनसै इक असथिरु मानै अचरजु लखिओ न जाई।।
काम क्रोध मोह बसि प्रानी हरि मूरति बिसराई।।
झूठा तनु साचा करि मानिओ जिउ सुपना रैनाई।।
जो दीसै सो सगल बिनासै जिउ बादर की छाई।।
जन नानक जगु जानिओ मिथिआ रहिओ राम सरनाई।।

2. मदि माइआ कै भइओ बावरो हरि जसु नहि उचरै।।
करि परपंचु जगत कउ डंहकै अपनो उदरू भरै।।
सुआन पूछ जिउ होई न सूधो कहिओ न कान धरै।।
कहु नानक भजु राम नाम नित जाते काजु सरै।।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

3. रे नर इह साची जीअ धारि।।
सगल जगतु है जैसे सुपना बिनसत लगत न बार।।
बारू भीती बनाई रचि पचि रहत नहीं दिन चारि।।
तैसे ही इह सुख माइआ के उरझिओ कहा गवार।।
अजहू समझि कछु बिगरिओ नाहिनि भजि ले नामु मुरारि।।
कछु नानक निज मनु साधन कउ भाखिओ तोहि पुकारि।।

4. जो प्रानी निसिदिन भजै रूप राम तिह जानु।।
हरि जन हरि अंतरु नहीं नानक साची मानु।।
मनु माइआ मै फधि रहिओ बिसरिओ गोबिंद नाम।।
कहु नानक बिनु हरि भजन जीवन कउने काम।।

5. चिंता ता की कीजिए जो अनहोनी होई।।
इह मारगु संसार को नानक थिर नहीं होई।।
जो उपजिओ सो बिनसि है परो आजु के कालि।।
नानक हरि गुण गाई ले छाडि सगल जंजाल।।

6. हरि को नामु सदा सुखदाई।।
जा कउ सिमरि अजामलु उधरिओ गनका हू गति पाई।।
पंचाली कउ राज सभा महि राम नाम सुधि आई।।
ता को दुख हरिओ करूणा मैं अपनी पैज बढ़ाई।।
जिह नर जसु किरपा निधि गाइओ ता कउ भइओ सहाई।।
कहु नानक मै इही भरोसै गही आन सरनाई।।

उपभाग—ख

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये :— 4×6=24

1. गुरु काव्य परम्परा पर विचार करें।

2. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की मूल संवेदना पर प्रकाश डालें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
ad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab

a2zpapers.com

3. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में गुरुमत दर्शन पर विचार करें।

4. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय पक्ष पर चर्चा करें।

5. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में प्रगतिशीलता के दर्शन होते हैं — विचार करें।

6. भारतीय संस्कृति का कौनसा रूप गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में चित्रित हुआ है ?

भाग—II

निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें :— 16×2=32

1. गुरु तेग बहादुरजी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिन्दी साहित्य के प्रभाव पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

2. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग-योजना स्पष्ट करें।

3. गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भों पर विस्तारपूर्वक चर्चा करें।

www.a2zpapers.com www.a2zpapers.com
oad free old Question papers gndu, ptu hp board, punjab